उदयपुर एक्सप्रेस

स्टार्टअप को प्रोत्साहित करने के लिए हुई कार्यशाला

विद्यार्थियों और महिलाओं ने लिया उत्साह से भाग, कलक्टर ने दिया प्रोत्साहन

उदयपुर। सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग की ओर से स्कूल विद्यार्थियों, ग्रामीण युवाओं एवं युवा उद्यमियों (स्टार्टअप) को प्रोत्साहित करने के लिए शनिवार को मोहनलाल सुखाड़िया विश्वविद्यालय के बप्पारावल सेमिनार हॉल में कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के आयुक्त संदेश नायक के ऑनलाइन संदेश से हुआ जिसमें उन्होंने विद्यार्थियों को आईस्टार्ट कार्यक्रम से जुड़ने और अपना कॅरियर बनाने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस मौके पर जिला कलक्टर ताराचंद मीणा ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में हर व्यक्ति को तकनीकी दृष्टि से अपडेट होना जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों और ग्रामीण महिलाओं को इस तकनीकी का प्रयोग करते हुए अपने कौशल को निखारने और कॅरियर बनाने के साथ-साथ अपनी आजीविका के अवसरों को और अधिक समृद्ध बनाने का आह्वान किया। इस दौरान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी ओमप्रकाश आमेटा ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया। आरंभ में डीओआईटी उपनिदेशक शीतल अग्रवाल ने कार्यशाला के बारे में विस्तार से प्रकाश डाला और इसके आयोजन के उद्देश्यों को उजागर किया।

इस कार्यशाला में स्टार्टअप से जुड़ी विभिन्न योजनाओं व कार्यक्रम यथा राजस्थान स्टार्टअप कार्यक्रम, स्कूल स्टार्टअप कार्यक्रम, आईस्टार्ट रूरल कार्यक्रम सहित अन्य फंड नीतियों एवं उनसे जुड़े लाभों के बारे में युवा उद्यमियों को जानकारी दी गई। कार्यशाला में 300 प्रतिभागियों को दो अलग-अलग सत्रों में स्टार्टअप से जुड़े विभिन्न विशेषज्ञ, तकनीकी एक्सपर्ट एवं आईटी एक्सपर्ट विभिन्न सत्रों में प्रतिभागियों ने जानकारियां दी।

दूसरे सत्र में स्वयं सहायता समूहों की 100 महिलाओं ने हिस्सा लिया जिसमें से 50 आइ स्टार्ट राजस्थान से पंजीकृत थी। आइ स्टार्ट टीम के अमित पुरोहित और डॉ. रोहिणी शर्मा ने इन्हें संबोधित किया। पैनल चर्चा में बड़ी संख्या में एक्सपर्ट्स ने अपनी बातें रखीं।

गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने अपने बजट भाषण के माध्यम से स्कूल स्टार्ट कार्यक्रम और रूरल आईस्टार्ट कार्यक्रम के शुभारंभ की घोषणा की थी।